SHRI SITARAM YECHURY: Sir, don't pose this question to the House. Please direct the Government to look into the issue.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, the Minister will convey our feelings to the Defence Minister.

SHRI BHUPINDER SINGH (Odisha): Sir, you direct the Government to look into this issue.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You convey our feelings to the Defence Minister.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS; AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI): I will do that.

Steep rise in prices of sugar, pulses and petroleum products

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, यह सरकार इस वायदे के साथ आयी थी कि अच्छे दिन आएंगे। अच्छे दिन ऐसे आए हैं कि आज चीनी 35-30 रुपये किलो से 50 रुपए किलो तक उपभोक्ता को मिल रही है। अच्छे दिन ऐसे आए हैं कि जो अपना खून-पसीना बहाकर पैदा करता है, वह किसान आत्महत्या कर रहा है। अगर पचास रुपए किलो चीनी बिक रही है तो यह सरकार बताए कि बिचौलिया कौन है जो इस सरकार की छत्रछाया में आम आदमी को लूट रहा है और किसान को मार रहा है? मैं कहना चाहता हूं कि आज दाल 170 रुपए, 180 रुपए किलो तक पहुंच गयी है और कश्मीर में तो 235 रुपए किलो बिक रही है? मैं यह नहीं कहना चाहता हूं कि जब केन्द्र में भी और प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है, तो दाल 235 रुपये किलो कैसे बिक रही है। मैं आपसे यह भी साफ कहना चाहता हूं कि अगर यह बढ़ा हुआ लाभ किसालों को मिल जाता, तो शायद जो लोग दाल खरीद रहे हैं, उन्हें यह संतोष होता कि वह धरती के भगवान को यह पैसा दे रहे हैं, लेकिन मेरा निश्चित आरोप है कि यह पैसा किसानों को नहीं मिल रहा है, बल्कि सरकार में बैठे हुए लोगों के संरक्षण में पलने वाले सटोरियों, कालाबाजारी करने वालों और जमाखोरी करने वाले लोगों को यह पैसा मिल रहा है, इसलिए मैं इस पर सवाल उठाना चाहता हूं।

मैं एक चीज़ और कहना चाहता हूं कि अभी परसों रात में डीजल का दाम बढ़ा, पेट्रोल का दाम बढ़ा। इस सरकार का अच्छे दिन का वायदा था, लेकिन इनको जब इनका रेट घटाना होता है, तो पैसे में घटाते हैं और जब बढ़ाना होता है, तो रुपये में बढ़ाते हैं। आज हालत यह है कि दिल्ली में 62.19 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल हो गया है और 50.95 रुपये प्रति लीटर डीजल हो गया है जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यह 45 डालर प्रति बैरल है, यह 40.45 डालर प्रति बैरल के बीच में है। मैं कहना चाहता हूं कि इसका रेट 32 डालर प्रति बैरल तक गया। मैं एक बात पर बल देना चाहता हूं कि शायद एयरकंडिशंड कमरों में बैठकर सरकार की सत्ता के नशे में ये भूल रहे हैं कि डीजल वह चीज़ है कि जब सूखा पड़ा हुआ है, तो किसान बोरिंग सैट से, पम्पिंग सैट से पानी निकाल कर जानवरों को पिला रहा है और खुद पी रहा है और वहां पर डीजल की जरूरत पड़ती है। जब देश में सूखा पड़ा हुआ है, तो डीजल का दाम तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ा कर सीधे-सीधे पीड़ित पर आपने प्रहार किया है। टैंकर से पानी जा रहा है,

[श्री प्रमोद तिवारी]

वह भी डीजल से चलता है। जितनी चीज़ें सूखे से जुड़ी हुई हैं, सब डीजल से प्रभावित हैं। क्या आपको इतना सब्र नहीं था और मैं पूछना चाहता हूं कि दुनिया के बाजार में जब 45 डालर प्रति बैरल पर तेल है, तो आपने डीजल का दाम तीन रुपये प्रति लीटर क्यों बढ़ाया? हमने 120 और 125 डालर प्रति बैरल पर खरीद कर देश में 60 रुपये प्रति लीटर पर बेचा और आप जब 45 डालर प्रति बैरल पर खरीद कर 62 रुपये प्रति लीटर पर बेच रहे हैं, तो आप कालाबाजारी कर रहे हैं, चोरबाजारी कर रहे हैं और गरीब के पेट पर डाका डाल रहे हैं।

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI (Madhya Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SHANTARAM NAIK (Goa): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI HUSAIN DALWAI (Maharashtra): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY (Telangana): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SANTIUSE KUJUR (Assam): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

†چودھری منوّر سلیم (اتر پردیش) : مہودے، میں بھی اس سے اپنے آپ کو سمبدّ کرتا ہوں۔

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री मधुसूदन मिस्त्री (गुजरात): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

†Transliteration in Urdu script.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

Need to transfer land for international memorial of Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि जब यूपीए गवर्नमेंट थी तब हमारी नेता सोनिया जी, तब के पंथ प्रधान डा. मनमोहन सिंह जी और वस्त्र मंत्री श्री आनन्द शर्मा जी, इन्होंने इंदू मिल की जगह को डा. बाबा साहेब अम्बेडकर का स्मारक बनाने के लिए देने का काम किया था। 11 नवम्बर, 2015 को प्राइम मिनिस्टर नरेन्द्र मोदी जी ने उसका भूमि पूजन भी कर दिया, हालांकि कांग्रेस को बुलाया नहीं गया था। एक स्टेट ऑफ आर्ट मेमोरियल डा. अम्बेडकर जी का होना चाहिए, यह इस देश में सबकी इच्छा है। बाबा साहेब अम्बेडकर के प्रति रूलिंग पार्टी का कितना प्रेम है, यह इससे दिखता है, क्योंकि राज्य सरकार ने जब प्रचलित विकास नियंत्रण नियमावली के अनुसार 1.33 एफएसआई का टीडीआर देने के लिए मान्यता दी है, तब एनटीसी में उसकी कीमत 1413 करोड़ रुपये होती है, जिसे राज्य सरकार देने के लिए तैयार है। 19 अप्रैल को वस्त्र उद्योग मंत्रालय से, एनटीसी से महाराष्ट्र सरकार को एक लेटर गया है, जिसमें नगर विकास के प्रधान सचिव ने बोल दिया है कि उस जमीन के लिए 2.50 एफएसआई का टीडीआर दे दीजिएगा, इसका मतलब है कि 2800 करोड़ रुपये की उन्होंने मांग की है। क्या बाबा साहेब अम्बेडकर का मेमोरियल बनाने के लिए उसकी कोई कीमत हो सकती है? डा. बाबा साहेब अम्बेडकर एक आस्था, विश्वास और भावना का प्रतीक है। देश में नहीं, पूरे विश्व में डा. बाबा साहेब अम्बेडकर को चाहने वाले बहुत सारे लोग हैं। क्या जमीन के लिए लगातार खींचातानी होती रहेगी? केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के बीच में जो खींचातानी है, उसका कोई उपाय नहीं निकल रहा है, इसकी तरफ भी आपको ध्यान देना जरूरी है।

उपसभापति महोदय, मैं बताना चाहूंगी कि डा. बाबा साहेब अम्बेडकर के ऊपर हम महाराष्ट्र के लोग बहुत ही proud feel करते हैं कि महाराष्ट्र के पुत्र डा. बाबा साहेब अम्बेडकर ने इतना बड़ा काम देश में ही नहीं पूरे विश्व में किया है, इसलिए उनका स्मारक अच्छा होना चाहिंए। अतर्राष्ट्रीय स्मारक होना चाहिए, जो स्टेट ऑफ आर्ट होना चाहिए और उसके लिए जमीन का झगड़ा नहीं होना चाहिए, उसके लिए जमीन देने में खींचातानी नहीं होनी चाहिए। जब 11 नवम्बर, 2015 को प्रधान मंत्री जी ने उसका भूमि पूजन कर दिया है, तो छह महीने के बाद भी, अभी तक उसके लिए जमीन हस्तांतरित नहीं हुई है, यह बात निराशाजनक है। मुझे लगता है कि आज सत्ता में जो केन्द्र सरकार है, उसे यह जमीन जल्द से जल्द हस्तांतरित करनी चाहिए और डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर का एक अच्छा स्मारक वहां जल्दी से जल्दी बनना चाहिए।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री शरद पवार (महाराष्ट्र): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।